UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

Environment & Ecology · GS - III

“लुप्तप्राय वन्यजीव
प्रजातियों के दीर्घकालिक
संरक्षण के लिए उपयुक्त
प्राकृतिक आवासों का विस्तार
आवश्यक है। ” गुजरात में एशियाई
शेरों के संरक्षण के संदर्भ में
चर्चा कीजिए।

EXAM YEAR

DAILY PRACTICE 17/10/2026

PAPER

GS - III

SUBJECT

Environment & Ecology

MARKS

10

WORD LIMIT

~150 words

Answer Hint

एशियाई शेर, बर्दा वन्यजीव अभयारण्य , प्राकृतिक आवास का
विस्तार , भौगोलिक संकेंद्रण , बीमारी का जोखिम , मानव -वन्यजीव
संघर्ष , पारिस्थितिक संतुलन , वन्यजीव गलियारे , वैज्ञानिक
निगरानी।

Model Answer

परिचय

वन्यजीव संरक्षण के लिए केवल मौजूदा आबादी की रक्षा करना पर्याप्त
नहीं है, बल्कि उसके लिए अतिरिक्त उपयुक्त आवास विकसित करना भी
आवश्यक है। गुजरात के बर्दा वन्यजीव अभयारण्य में 17 एशियाई शेरों
की स्थापना इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

मुख्य भाग

1. प्राकृतिक आवास का विस्तार क्यों
आवश्यक है?

जोखिम में कमी: अतिरिक्त आवास विकसित
करने से किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता और
स्थानीय बीमारी या प्राकृतिक आपदा से
होने वाले नुकसान का जोखिम कम हो सकता
है।
जैव विविधता का संरक्षण : उपयुक्त आवास
वन्यजीवों को भोजन, पानी और प्रजनन के
लिए आवश्यक परिस्थितियाँ प्रदान करते
हैं।
दीर्घकालिक संरक्षण : नए आवास
प्रजातियों की आबादी को सुरक्षित रखने
और उसके विस्तार में मदद कर सकते हैं।

2. चुनौतियाँ और समाधान

आवास में पर्याप्त शिकार प्रजातियाँ , पानी
और सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है।
वन्यजीव गलियारों का संरक्षण , वैज्ञानिक
निगरानी , अवैध शिकार पर नियंत्रण और
स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी
महत्त्वपूर्ण हैं। मानव -वन्यजीव संघर्ष को
कम करने के लिए प्रभावी उपाय अपनाने चाहिए।

निष्कर्ष

बर्दा में एशियाई शेरों के लिए अतिरिक्त
आवास विकसित करना संरक्षण की दिशा में
सकारात्मक कदम है। इसकी दीर्घकालिक सफलता
वैज्ञानिक प्रबंधन , उपयुक्त पारिस्थितिक
परिस्थितियों और स्थानीय समुदायों के
सहयोग पर निर्भर करेगी।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias